चिकित्सालय निरीक्षण के दौरान रोगी व तीमारदारों से कुशलक्षेम पूछते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज

दिनांक : 05 दिसम्बर, 2024। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित चिकित्सालय का डायलिसिस युनिट पूर्वांचल का सबसे बड़ा यूनिट हो गया है। यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा जी द्वारा दिया गया। कर्नल अरविन्द कुशवाहा जी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों से 5 मार्च 2022 को चिकित्सालय में डायलिसिस यूनिट का शुभारंभ किया गया था। उस समय चिकित्सालय में कुल 4 डायलिसिस मशीने थी मरीजों के बढ़ते मामलों को देखते हुए गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ के डायलिसिस केंद्र को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर बालापार के चिकित्सालय में स्थानांतरित कर दिया गया है जिससे अब चिकित्सालय में कुल 18 डायलिसिस मशीनों के आने से चिकित्सालय पूर्वांचल के सबसे बृहद डायलिसिस सेंटर के रूप में प्रतिष्ठित हो गया है। डायलिसिस सेंटर को प्रारंभ करने से पूर्व 30 नवम्बर 2024 को विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने इसका निरीक्षण कर प्रारंभ करने की संस्तुति दी। अब महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चिकित्सालय में पूर्वांचल के एक बड़े डायलिसिस सेंटर का संचालन का प्रारंभ हो गया है। पहले पूर्वांचल के डायलिसिस मरीजो को शहर से बाहर अन्य राज्य में जाकर दर दर भटकना पड़ता था अब इस सेंटर की स्थापना से पूर्वांचल के मरीज एवं उनके परिजनों को डायलिसिस के लिए कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। चिकित्सालय में प्रतिदिन कुल 60 से अधिक गुर्दे के मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा है। लोक सेवा के क्षेत्र में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सेवा भाव समर्पण के उद्देश्य को सार्थक बनाने की अग्रिणी पहल है। कर्नल डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा जी ने बताया कि चिकित्सालय में प्रतिष्ठित वरिष्ठ चिकित्सको एवं टेक्निशियनो द्वारा मरीजों की सेवा की जा रही है। डायलिसिस केंद्र के बृहद स्थापना पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने शुभकामना दिया और निर्देशित किया कि मरीजो के साथ पारिवारिक बर्ताव किया जाये जिससे उन्हें अपनत्व का भाव जागृत हो।